भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2130

दिनांक 14 मार्च, 2023 के लिए प्रश्न

लंपी रोग का प्रसार

2130. श्री हेमन्त पाटिल:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश मे मवेशी लंपी रोग से पीड़ित हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या राज्यों विशेषकर महाराष्ट्र में इस बीमारी के प्रसार पर कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) क्या किसी विशेषज्ञ समिति/विशेषज्ञ ने रोग से पीड़ित पशुओं के उपचार में सहायता के लिए राज्य का दौरा किया है; और

(घ) यदि हां, तो राज्य में पीड़ित मवेशियों/उनके उपचार की वास्तविक स्थिति और राज्य अधिकारियों द्वारा बरती जाने वाली अन्य सावधानियां क्या हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) जी हां। महाराष्ट्र सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त सूचना के अनुसार, लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) से प्रभावित, मृत, टीकाकरण किए गए और ठीक हुए गोपशुओं की संख्या संबंधी सूचना **अनुबंध-I** में दी गई है। रोग के प्रसार पर कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है। हालांकि, रोग मच्छरों, काटने वाली मक्खियों, टिक आदि जैसे वेक्टर द्वारा संचरित होता है और तदनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को नियंत्रण उपायों की सलाह दी जाती है।

(ग) और (घ): जी हां। पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार के केंद्रीय विशेषज्ञ दल ने, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिक के साथ, रोग से पीड़ित गोपशुओं के उपचार के संबंध में सलाह सहित निश्चित समय सीमा के अंदर रोग को कैसे नियंत्रित करें, के बारे में राज्य को सलाह देने के लिए दिनांक 21.11.2022 से दिनांक 23.11.2022 तक महाराष्ट्र राज्य का दौरा किया। राज्य ने केंद्र की नियंत्रण, टीकाकरण और उपचार संबंधी परामर्शी के आधार पर, फील्ड के अधिकारियों और पणधारियों को एलसडी की तैयारी, नियंत्रण और निवारण के लिए निर्देशित किया था। रोग के नियंत्रण हेतु निगरानी करने, नमूनों को इकट्ठा करने, टीकाकरण और उपचार के लिए ब्लॉक और जिला स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीमों (आरआरटी) का गठन किया गया था। उपलब्ध बकरी चेचक टीके (गोट पॉक्स वैक्सीन) के साथ टीकाकरण चल रहा है। राज्य द्वारा टीकाकरण और उपचार निशुल्क प्रदान किया जाता है।

****

अनुबंध-1

वर्ष 2023 के दौरान (6.3.2023 तक) देश में लंपी त्वचा रोग का विवरण					
क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्रभावित गोपशुओं की संख्या	मृत गोपशुओं की संख्या	टीकाकरण किए गए गोपशुओं की संख्या	ठीक हुए गोपशुओं की संख्या
1	गुजरात	176094	6193	6319005	169901
2	हिमाचल प्रदेश	140287	11297	962308	128742
3	पंजाब	174927	17932	921615	156995
4	राजस्थान	1567217	76030	10859291	1491187
5	उत्तराखंड	36323	921	710271	35402
6	मध्य प्रदेश	32580	696	3715303	31884
7	जम्मू और कश्मीर	71377	2698	1964241	68679
8	उत्तर प्रदेश	112201	655	15787400	111546
9	हरियाणा	114844	2938	1736348	111906
10	महाराष्ट्र	454516	34711	14231372	392610
11	गोवा	32	1	21895	31
12	पश्चिम बंगाल	60	0	2600	60
13	आंध्र प्रदेश	1473	274	134840	1199
14	दिल्ली	828	0	25067	828
15	बिहार	1442	2	12356629	1440
16	तमिलनाडु	204	1	121700	203
17	झारखंड	169	0	176274	169
18	कर्नाटक	326710	31352	10112423	282867
19	तेलंगाना	9030	70	3206369	8852
20	केरल	19514	531	842124	14118
21	छत्तीसगढ़	10	0	2474	10
22	ओडिशा	40761	113	4639000	40413
23	तमिलनाडु	32	2	290	30
	कुल	**3280631**	**186417**	**88848839**	**3049072**

******